श्री वीरेन्द्र वर्मा : क्या माननीय मंत्री जी यह बताने की कृपा करेंगे कि केमल्स जो कैरियर्ज थे उनके ऊपर जो आदमी बैठे हुए थे जो आपने शूट आउट किया जिसमें आपने यह बताया 6 केमल थे तो क्या कोई आदमी भी पकड़ा गया है या नहीं ? अगर पकड़ा नहीं गया तो क्या यह सही है कि वे जोंगा में भाग गये ?

श्री अरुण नेहरू : मैंने जो पहले जवाब दिया है वह आप ने सुना नहीं, मैंने तो जोंगा की कोई बात नहीं की । मैंने तो यह कहा कि 6 केमल मारे गये । (व्यवधान) यह जवाब मैं पहले ही दे चुका हूं कि आदमी तो नहीं पकड़े गये (व्यवधान)

श्री वीरेन्द्र वर्मा : तो बगैर आदमियों के वे केमल्स थे . . . (व्यवधान)

MR. CHAIRMAN : Question hour is over.

WRITTEN ANSWERS TO QUESTIONS

प्रधान मंत्री कार्यालय में हिन्दी सलाहकार समिति

*244. **श्री जगदम्बी प्रसाद यादव**: क्या गृह मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि प्रधान मंत्री कार्यालय में हिन्दी सलाहकार समिति का गठन नहीं हुआ है तथा गत तीन वर्षों में नियमानुसार इसकी चार बैठकें नहीं कराई गयी हैं ;

(ख) क्या यह भी सच है कि भाषा के संवर्धन तथा प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए आवश्यक समझे जाने वाली आधुनिक यांत्रिक सुविधाओं, जैसे टेलीप्रिंटर, टैलेक्स, कंम्प्यूटर तथा इलैक्ट्रानिक टंकण यंत्रों का नितांत अभाव है और राजभाषा का सालाना आगामी कार्यक्रम पिछले ग्यारह वर्षों से पूरा नहीं किया गया है ; और

(ग) यदि हां, तो इस सम्बन्ध में क्या प्रभावकारी कदम उठाये गये हैं ?

गृह मंत्री (श्री एस०बी० चव्हाण) (क) से (ग) सरकार की राजभाषा नीति के कार्यान्वयन तथा वार्षिक लक्ष्यों की प्राप्ति की प्रगति पर नजर रखने और मानिटर करने के लिए विभिन्न मंत्रालयों और विभागों में सम्बन्धित केन्द्रीय मंत्रियों के अधीन हिन्दी सलाहकार समितियां गठित की गई हैं । प्रधान मंत्री "कार्यालय" में इस प्रकार की समिति गठित करने की कोई आवश्यकता नहीं समझी गई ।

2. द्विभाषी यांत्रिक उपकरण जैसे—टेलीप्रिंटर, इलैक्ट्रानिक टाइपराइटर और कम्प्यूटर आदि का देश में ही विकास करने के लिए हर संभव प्रयास किये जा रहे हैं और अब ये उपकरण बाजार में उपलब्ध हैं । सी० एम० सी० लिमिटेड ने "लिपि" नामक एक बहुभाषी शब्द संसाधक तैयार किया है । इसी प्रकार डी० सी० एम० डाटा प्रोडक्ट द्वारा "सिद्धार्थ" नामक द्विभाषी शब्द संसाधक का निर्माण किया गया है । आशा है कि 1986 तक हिन्दुस्तान टेलीप्रिंटर लिमिटेड, मद्रास, द्विभाषी इलैक्ट्रानिक टेलीप्रिंटर का निर्माण कर लेंगे । इंडियन इंस्टीट्यूट आफ टैक्नालाजी, कानपुर ने एक द्विभाषी कम्प्यूटर टर्मिनल का विकास किया है । चूंकि अब द्विभाषी यांत्रिक उपकरण बाजार में उपलब्ध हैं, अतः केन्द्रीय सरकार के सभी मंत्रालयों और विभागों को निर्देश दिये गये हैं कि वे यथा संभव अपने कार्यालय उपयोग के लिए द्विभाषी उपकरण ही खरीदें ।

Involvement of Afghan National Refugees in Narcotic Smuggling

*249. SHRI RAM NARESH KUSHAWAHA :
SHRI SUSHIL CHAND MOHANTA :

Will the Ministers of HOME AFFAIRS be pleased to state :

(a) what is the number of Afghan national refugees in the country arrested during the last two years, year-wise, for selling/smuggling narcotics into the country; and

(b) what precise measures Government have taken to check their illegal activities ?

THE MINISTER OF HOME AFFAIRS (SHRI S. B. CHAVAN): (a) On the charge of smuggling drugs 22 Afghan nationals in 1983, 17 Afghan nationals in 1984 and 2 Afghan nationals during 1985 (upto 30-11-1985) were arrested.

(b) To check these illegal activities, the Customs and Border Security Force keep a strict vigil on the borders, sea ports and Air Ports. Various Enforcement Agencies of the State and Central Government are on the alert and close liaison is maintained with the International Organisations.

Views of Dr. Raja Ramanna on opposition to country's Nuclear Energy Programmes

*251. SHRI K. MOHANAN: Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether Government are aware of the views expressed by Dr. Raja Ramanna, Secretary, Department of Atomic Energy in his Indira Gandhi Memorial lecture organised by the University of Cochin that the opposition to nuclear energy programmes in the country was not based on proper study but on personal prejudices and biases; and

(b) if so, what are the details in this regard ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF SCIENCE AND TECHNOLOGY AND IN THE DEPARTMENTS OF OCEAN DEVELOPMENT, ATOMIC ENERGY, ELECTRONICS AND SPACE (SHRI SHIVRAJ PATIL) : (a) Yes, Sir.

(b) Typical among the unfounded criticisms raised against nuclear power are :

(1) Nuclear Reactor is like a bomb which will explode ;

(2) Nuclear Power Programme produces large volumes of radioactive ash ;

(3) Nuclear Reactors occupy large amount of land, affect environment and are a danger to mankind ;

(4) Foreign countries are reducing their dependence on Nuclear Power; and

(5) Nuclear Power is very costly.

Kudal Commission

*252. DR. SHANTI G. PATEL:
DR. (SHRIMATI) SAROJINI MAHISHI :

Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state :

(a) what are the details of investigations made by the Kudal Commission during the last two years; and

(b) what are the details of its findings ?

THE MINISTER OF HOME AFFAIRS (SHRI S. B. CHAVAN): (a) and (b) The Kudal Commission of Inquiry has so far submitted three interim reports giving its findings in 51 cases. The first interim report alongwith action taken memorandum has been placed on the Table of the Lok Sabha on 4th December, 1985. Second and Third interim reports are under examination.

A statement giving the details of findings and the action taken by the Government in respect of the 1st Interim Report is attached in the statement.